धान खरीदी में कई विसंगतियां, समितियां एवं किसान दोनों प्रभावित

नवभारत न्यूज

पन्ना 29 दिसंबर। धान खरीदी को लेकर खरीदी केंद्रों में धान का अंबार लगा हुआ है और लम्बी कतारें किसानों की धान तुलाई के लिए वाहनों की लगी है। खरीदी के हिसाब से भंडारण नहीं हो पा रहा है। कुल मिलाकर धान खरीदी को लेकर देखा जाये तो किसान एवं समितियां दोनों की हालत दयनीय हैं। जहां किसानों को समय से भंडारण न होने के कारण धान का पैसा नहीं मिल पा रहा है वहीं समितियों को मिलने वाली राशि भी समितियों को नहीं मिलने से दोनों परेशान हैं।

कुल मिलाकर यह देखा जाये धान खरीदी मे कई विसंगतियां होने के कारण किसान एवं समितियां दोनों संकट के दौर से गुजर रहे हैं। धान खरीदी को लेकर एक तरफ किसान संघर्ष कर रहा है वहीं दूसरी तरफ समितियां के सामने भी संकट की स्थिति है। कहीं बारदानों का संकट पैदा होने से खरीदी प्रभावित हो रही है तो वहीं परिवहन की स्थिति धीमी होने के कारण भण्डारण नहीं हो पा रहा है। भण्डारण न होने से किसानों का भुगतान प्रभावित हो रहा है। समितियों का संकट यह है कि उन्हें धान खरीदी के बदले मिलने वाला कमीशन एवं प्रासांगिक व्यय की राशि नहीं मिल पा रही है। इसके पीछे जिम्मेदार नागरिक आपूर्ति निगम व सहकारिता विभाग को बताया जा रहा है। खरीदी की समय सीमा निर्धारित है, निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद खरीदी की तिथि में वृद्धि होना संभव नहीं है। यदि होगी भी तो वह खानापूर्ति के रूप में। लिहाजा ऐसी स्थिति में यदि कई किसान धान की बिक्री से वंचित होते हैं या खरीदी के बाद उनके साथ कोई गड़बड़ी होती है, धोखाधड़ी होती है तो कौन जिम्मेदार होगा ?

वारदानों का प्रतिवर्ष होता है संकट, इस वर्ष भी वहीं स्थिति:- प्रतिवर्ष जब खरीदी होती है तो हर विषय में समीक्षा होती है। हर चीज का आकलन किया जाता है। बावजूद इसके खरीदी में जब गति आती है जब खरीदी केन्द्रों में किसानो की भीड़ बढ़ती है, धान की आवक बढ़ती है तो देखा जाता है कि बीच वारदानों का ही संकट हो जाता है। जबकि नियमित रूप से वारदानों की आपूर्ति होते रहना चाहिये। वारदानो का संकट होने का एक कारण यह हो सकता हे कि नियमित रूप से मांग व पूर्ति की समीक्षा न होना अथवा जिम्मेदार अधिकारियो की लापरवाही हो सकती है। अन्यथा और कोई कारण नहीं बना कि वारदानों का संकट पैदा हो जाय। जब खरीदी का लक्ष्य निर्धारित है तो उसके अनुसार पर्याप्त मात्रा में वारदाने उपलब्ध क्यों नहीं हो पा रहे हैं। इस तरह से देखा जा सकता है कि धान खरीदी जब गति पकड़ रही हे तब कई तरह की विसंगतियां और कई तरह के संकट पैदा हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि प्रशासन और उसका अधीनस्थ अमला जिसे नियंत्रण के लिये लगाया गया है वह समुचित निगरानी करे ओर समाधान के लिये युद्ध स्तर पर प्रयास करे। जबकि नियमित रूप से वारदानों की आपूर्ति होते रहना चाहिये। वारदानो का संकट होने का एक कारण यह हो सकता हे कि नियमित रूप से मांग व पूर्ति की समीक्षा न होना अथवा जिम्मेदार अधिकारियो की लापरवाही हो सकती है। खरीदी केन्द्रों में खरीदी गई धान की मात्रा के आधार पर भुगतान सुनिश्चित नहीं करता। जब खरीदी का लक्ष्य निर्धारित है तो उसके अनुसार पर्याप्त मात्रा में वारदाने उपलब्ध क्यों नहीं हो पा रहे हैं। इस तरह से देखा जा सकता है कि धान खरीदी जब गति पकड़ रही हे तब कई तरह की विसंगतियां और कई तरह के संकट पैदा हो रहे हैं। ताकि खरीदी निर्बाध गति से चलती रहे और किसानों के धान की खरीदी आसानी से हो सके और उनका भुगतान भी हो सके।

करोड़ों का भुगतान समितियों का लंबित रखने का औचित्य क्या?

प्राप्त जानकारी के अनुसार खरीदी करने वाली समितियों का करोड़ों का भुगतान लंबित बताया गया है। यह भुगतान केवल वर्तमान खरीदी वर्ष का नहीं है अपितु पूर्व का भी बताया जा रहा हे । किन्तु उसका न तो हिसाब किया जा रहा है और न ही भुगतान हो रहा है। नागरिक आपूर्ति निगम एवं सहकारिता विभाग समितियों पर वसूली बताकर खरीदी के बदले देय राशि को देने में आनाकारी कर रही है। उल्लेखनीय है कि समितियों को 5 प्रतिशत प्रासांगिक व्यय के नाम पर खरीदी की व्यवस्था के लिये भुगतान होना चाहिये। वहीं 9 प्रतिशत कमीशन की राशि धान के भण्डारण के अनुपात में दी जानी चाहिये। किन्तु दोनो तरह के भुगतान समितियों को नहीं किये जा रहे हैं। जिसकी भरपाई फिर समितियां किसानों से अवैध वसूली व तौल में अधिक मात्रा लेकर करती हैं।

गोदामों में जगह का संकट इसलिये भण्डारण प्रभावित

बताया जाता है कि प्रशासन के पास भण्डारण के लिये पर्याप्त मात्रा में गोदाम उपलब्ध नहीं है। जबकि लक्षित खरीदी के विरूद्ध भण्डारण की तैयार खरीदी के पूर्व की जानी चाहिये। गोदामों को खाली करवाया जाना चाहिये। किन्तु भण्डारण की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण खरीदी केन्द्रों से उठाव व परिवहन नहीं हो पा रहा है। जबकि सामान्य रूप से यह माना जा रहा है कि परिवहन नहीं हो रहा है। जबकि कारण भण्डारण के लिये खाली गोदामों का संकट बताया जा रहा है। ऐसी स्थिति में यदि मौसम खराब होता हे और बारिस हो जाती है तो क्या होगा ? कौन जिम्मेदार होगा ? वर्तमान स्थिति में करीब दस लाख क्विंटल से अधिक धान खुले आसमान के नीचे खरीदी केन्द्रों में रखी हुई है। खरीदी गई धान का उठाव यदि समय पर नहीं होता और वह भण्डारित नहीं हो पाती, अथवा असामयिक बारिश हो जाती है तो किसानों का भुगतान प्रभावित हो सकता है। कारण यह भी है कि नागरिक आपूर्ति निगम खरीदी की पूर्णता तभी मानता है जब धान का भण्डारण हो जाता है। यह भुगतान केवल वर्तमान खरीदी वर्ष का नहीं है। अपितु पूर्व का भी बताया जा रहा है। किन्तु उसका न तो हिसाब किया जा रहा है और न ही भुगतान हो रहा है। नागरिक आपूर्ति निगम एवं सहकारिता विभाग समितियों पर वसूली बताकर खरीदी के बदले देय राशि को देने में आनाकारी कर रही है।

संदीपनी मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल में कॉलेज चलो अभियान से जागरुक हुए विद्यार्थी

नवभारत न्यूज

पन्ना 29 दिसंबर। छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पन्ना द्वारा संचालित कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एस डी चतुर्वेदी के निर्देशन में दिनांक 29 दिसंबर को शासकीय मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल, पन्ना में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. बी. एन. जायसवाल एवं डॉ. निशांत खरे ने सहभागिता कर कक्षा 12 में अध्ययनरत विद्यार्थियों को पीपीटी के माध्यम से उच्च शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर विद्यार्थियों को महाविद्यालय में संचालित विभिन्न विषयों, प्रवेश प्रक्रिया, उच्च शिक्षा विभाग की हितग्राही योजनाओं, एनसीसी/एनएसएस गतिविधियों, व्यक्तित्व विकास एवं करियर मार्गदर्शन के अवसरों के बारे में विस्तार से बताया गया। प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को भविष्य की योजना समय पर बनाने तथा अपनी रुचि एवं योग्यता के अनुसार विषय चयन करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. बी. एन. जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि कॉलेज चलो अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों तक सही समय पर सही जानकारी पहुँचाकर उन्हें उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे वे बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें।

गुनौर विधायक ने हरीरा में किया 25 लाख की सीसी रोड किया लोकार्पण

नवभारत न्यूज

सलेहा/पन्ना 29 दिसंबर। गुनौर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश वर्मा ने ग्राम पंचायत हरीरा को एक बड़ी सौगात दी है। विधायक श्री वर्मा द्वारा पंचायत में पच्चीस लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित सीसी रोड एवं नाली का विधि विधान से पूजा अर्चना कर लोकार्पण किया गया।

ग्रामीणों द्वारा इस मार्ग के निर्माण की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। इस नई सड़क के बन जाने से न केवल ग्रामीणों का आवागमन सुगम होगा बल्कि बारिश के दिनों में होने वाली कीचड़ और जल जमाव की गंभीर समस्या से भी ग्रामीणों को हमेशा के लिए निजात मिल जाएगी। लोकार्पण समारोह के दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक राजेश वर्मा ने कहा कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास ही उनकी मुख्य प्राथमिकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सड़कों का जाल फैल रहा है, अपनी विधानसभा में 100 सड़कें स्वीकृत है ,जिनमें से 28 सड़कों का काम मार्च-अप्रैल माह में प्रारंभ हो जायेगा। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष हरेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश कार्य समिति सदस्य श्रीकांत त्रिपाठी, पूर्व मंडल अध्यक्ष वेद नारायण शर्मा, महामंत्री शिव नारायण मिश्रा, उपाध्यक्ष राजेंद्र त्रिपाठी, राम शिरोमणि पांडे, सरपंच श्रीमती रानी बाई, जनपद सदस्य श्रीमती राजकुमारी, गणेश प्रसाद कुशवाहा, अशोक नामदेव, नारायण चैरसिया, राजेंद्र चैबे, शंकर, ओमप्रकाश पांडे सचिव हरीरा, प्रीतम सिंह सचिव, गोविन्द चोरसिया सचिव, बाल्मीकि राठौर सचिव, सकील अहमद, रामाधार शुक्ल,सहित प्रशासनिक अधिकारियों साथ बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

गुनौर विधायक ने विकास पर किया खुला संवाद

नवभारत न्यूज

देवेंद्रनगर/पन्ना 29 दिसंबर। देवेंद्रनगर स्थित रामकृष्ण लॉज में शनिवार को गुनौर विधायक डॉ. राजेश वर्मा ने क्षेत्रीय पत्रकारों के साथ विस्तृत एवं सारगर्भित पत्रकार वार्ता कर देवेंद्रनगर तहसील क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर खुला संवाद किया।

यह पहला अवसर रहा जब गुनौर विधानसभा के विधायक ने पूरे तहसील क्षेत्र के पत्रकारों को एक मंच पर आमंत्रित कर न केवल उनकी बात सुनी, बल्कि विकास से जुड़े प्रत्येक पहलू पर गंभीर और स्पष्ट चर्चा की। पत्रकार वार्ता के दौरान नगर एवं ग्रामीण अंचल से जुड़े प्रमुख मुद्दों पेयजल संकट, बरगी व्यपवर्तन परियोजना का पानी, किसानों को सिंचाई सुविधा, देवेंद्रनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सिविल अस्पताल में परिवर्तित करने की मांग, शासकीय महाविद्यालय में विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय प्रारंभ करने तथा स्नातकोत्तर कक्षाएँ खोलने, नगर में स्टेडियम निर्माण, पुलिस बल बढ़ाने, देवेंद्रनगर को बाइपास दिलाने, बमीठा से सतना तक प्रस्तावित

फोरलेन, शिक्षा, सड़क, सुरक्षा एवं प्रशासनिक समन्वय पर विस्तार से चर्चा हुई। विधायक डॉ. राजेश वर्मा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बरगी व्यपवर्तन परियोजना का पानी शीघ्र ही देवेंद्रनगर क्षेत्र के किसानों तक पहुँचेगा, जिससे कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को बड़ा संबल मिलेगा और किसानों को सिंचाई के लिए स्थायी राहत मिलेगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि देवेंद्रनगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सिविल अस्पताल में उन्नत करने के लिए शासन स्तर पर गंभीर प्रयास जारी हैं, ताकि क्षेत्रवासियों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें।

डॉ. वर्मा ने यह भी कहा कि शासकीय महाविद्यालय में विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय तथा स्नातकोत्तर कक्षाएँ प्रारंभ कराना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है, जिससे स्थानीय विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए बाहर न जाना पड़े। उन्होंने नगर में स्टेडियम निर्माण, पुलिस बल बढ़ाने, देवेंद्रनगर को बाइपास दिलाने तथा बमीठादृसतना फोरलेन के लिए निरंतर प्रयास किए जाने की जानकारी भी दी। 27 दिसंबर की रात राजादहार के हनुमान मंदिर में हुई चोरी, जिसमें स्वर्ण आभूषणों सहित दानपेटी में रखी अनुमानित दो से ढाई लाख रुपये की राशि चोरी होने का मामला सामने आया, जिस पर विधायक ने गम्भीरता से विचार कर आवश्यक कदम उठाने की बात कही।

नाबालिग के साथ बलात्संग कारित करने वाले आरोपी को आजीवन कारावास एवं जुर्माना

थाना देवेन्द्रनगर में अभियुक्त के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया था

नवभारत न्यूज

पन्ना 29 दिसंबर। सहा.जि.लोक अभि.अधि. रोहित गुप्ता ने बताया कि, फरियादिया ने सुबह करीब 10.30 बजे एक मोटरसाईकिल से स्कूल जाने के लिये लिफ्ट मांगी तो उसे विमल लोधी मिला। विमल लोधी ने पीड़िता को स्कूल छोड़ दिया। अगले दिन विमल लोधी उसे स्कूल के बाहर मिला और उससे बातचीत कर उसका मोबाईल नम्बर ले लिया।

विमल लोधी ने पीड़िता को गुनौर बुलाया और गुनौर में किराये के कमरे में उसके साथ शारीरिक संबंध बनाये। इसके बाद विमल लोधी ने पुन: किराये के कमरे में उसके साथ शारीरिक संबंध बनाये। इसके बाद विमल ने उससे कहा कि यदि उससे शारीरिक संबंध नहीं बनायेगी तो उसके फोटो इंस्टाग्राम में सबको दिखा देगा। फिर वह डर के कारण चुप रही, उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे। उसने घटना की जानकारी अपनी मां एवं पिता को बताई। इसके बाद उसने अपने बड़े पापा के लड़के को घटना बताई और अपनी मां के साथ रिपोर्ट करने थाना देवेन्द्रनगर गई और थाना देवेन्द्रनगर में आवेदन-पत्र दिया। पीड़िता के लिखित आवेदन के आधार पर थाना देवेन्द्रनगर में अभियुक्त के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। फरियादी एवं साक्षीगण के कथन लेखबद्ध किये गये। संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियुक्त के विरूद्ध अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। न्यायालय अरविन्द कुमार शर्मा, विशेष न्यायाधीश(पॉक्सो एक्ट) जिला पन्ना के न्यायालय मे प्रकरण का विचारण हुआ। शासन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक/सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी द्वारा की गयी। अभिलेख पर आई साक्ष्य और अभियोजन के तर्को एवं न्यायिक दृष्टांतो से सहमत होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपी- विमल लोधी को भादंसं. की धारा 376(2)(एन) एवं धारा 5/6 पॉक्सों एक्ट में 20 वर्ष का कठोर कारावास एवं 7000 रूपए के अर्थदण्ड, धारा 3(2)(अ) एससी/एसटी एक्ट में आजीवन कारावास एवं 10000 रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। न्यायालय द्वारा अभियोक्त्री/पीड़िता के मानसिक स्वास्थ्य एवं सामाजिक व आर्थिक परिस्थिति को देखते हुए पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत राशि 2,50,000/- (दो लाख पचास हजार रूपए) प्रतिकर की राशि प्रदान करने का आदेश दिया गया।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में आयोजित किया यातायात जागरुकता अभियान

नवभारत न्यूज

पन्ना 29 दिसंबर। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती वंदना सिंह चैहान के दिशा निर्देशन में थाना प्रभारी यातायात नीलम लक्षकार ने शासकीय कन्या महाविद्यालय पन्ना की छात्राओं को यातायात नियमों के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए सड़क किनारे लगने वाले सांकेतिक चिन्हों, रोड साईन (आदेशात्मक, चेतावनी एवं सूचनात्मक),यातायात पुलिस द्वारा दिए जाने वाले सिग्नल, चैराहो पर लगे इलेक्ट्रानिक सिग्नल के विषय में अवगत कराया।

सड़क दुर्घटनाओं की वर्तमान स्थिति एवं कारणों के विषय में बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में हो रही बढ़ोत्तरी का प्रमुख कारण तेजगति गति से वाहन चलाना, नशे की हालत में वाहन चालन,उचित ब्रेकिंग डिस्टेन्स न रखना, गलत तरीके से ओवरटेक करना, बिना हेलमेट, बिना सीटबेल्ट वाहन चलाना, मोबाइल पर बात करते वाहन चलाना, ओवर लोडिंग वाहन एवं खराब सड़के रोड एक्सीडेन्ट के लिए जिम्मेदार हैं इनसे बचने के लिए यातायात नियमों का पालन कर निर्धारित गति में वाहन चालन, हेलमेट, सीट बेल्ट जैसे इक्युमेण्ट का उपयोग करना चाहिए। सड़क दुर्घटना में पीड़ित व्यक्ति को तुरंत अस्पताल पहुंचाना चाहिए ताकि उसकी जान बच सके इसके लिए छात्राओं को राह वीर योजना के बारे में भी बताया गया कि पीड़ित व्यक्ति की मदद करने पर शासन द्वारा 25000 रूपये का ईनाम भी दिया जाता है । छात्राओं को राइट ऑफ वे के विषय में भी बताया गया। सड़क पर चलते समय हमें पहले आपातकालीन सेवाओ में संलग्न वाहनों जैसे एम्बुलेंस, फायरब्रिगेड को पहले जाने के लिए रास्ता देना चाहिए अगले क्रम में दिव्यांग व्यक्ति, पैदल व्यक्ति साइकिल चालक को पहले निकलने के लिए रास्ता देना चाहिए आदि विषय के साथ साथ एक्सीडेंट के कारण, बचाव हेतु सावधानियाँ,राइट ऑफ वे, इमरजेंसी केयर व साइकिल चलाते समय कौन-कौन सी बातों का ध्यान रखना चाहिए आदि विषयों पर भी विस्तृत जानकारी दी गयी।

सरस्वती स्कूल में विद्यार्थी प्रतिभा सम्मान समारोह अभिभावक सम्मेलन आयोजित

नवभारत न्यूज

देवेंद्रनगर/पन्ना 29 दिसंबर। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवेंद्रनगर में विद्यार्थी प्रतिभा सम्मान समारोह सह अभिभावक सम्मेलन का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नागौद विधायक एवं पूर्व मंत्री नागेंद्र सिंह तथा विशिष्ट अतिथि गुनौर विधायक डॉ. राजेश वर्मा रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर विधायक नागेंद्र सिंह द्वारा वर्ष 2014 में सांसद निधि से विद्यालय को प्रदत्त 5 लाख रूपये की राशि से संबंधित शिल्प पट्टिका का अनावरण किया गया। तत्पश्चात नन्हे विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह को उल्लासमय एवं भावपूर्ण वातावरण प्रदान किया। कार्यक्रम में शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं विविध

प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। साथ ही अभिभावकों से संवाद कर शिक्षा में संस्कारों की भूमिका, पारिवारिक सहभागिता एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर सार्थक विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के पूर्व प्रभारी प्राचार्य युगल किशोर सिंह ने की।

इस अवसर पर गुनौर विधायक डॉ. राजेश वर्मा ने कक्षा 10वीं (सत्र 2024-5) की बोर्ड परीक्षा में प्रदेश की टॉप-10 सूची में सातवाँ स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा प्रिया पटेल को रूपये 10,000 की पुरस्कार राशि देने की घोषणा की। वहीं संस्था के संरक्षक सदस्य फूलचंद विश्वकर्मा ने अपनी पूर्व घोषणा के अनुरूप 5,000, रूपये तथा रामभजन त्रिपाठी द्वारा 4,000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

डॉ. राजेश वर्मा ने विद्यालय के भौतिक एवं शैक्षिक उन्नयन हेतु विधायक निधि से 5 लाख रूपये की अतिरिक्त राशि प्रदान करने की घोषणा भी की, जिसका उपस्थित जनसमूह ने करतल ध्वनि से स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय व्यवस्थापक रामलखन शुक्ला, उपाध्यक्ष विनोद गुप्ता, संरक्षक सदस्य डॉ. रामसुख सोनी, हरदेव सिंह,प्रमोद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल, शिवप्रसाद गुप्ता, संजीव कुशवाहा,प्राचार्य पूरन सिंह राजपूत, समस्त आचार्य-दीदी, विद्यार्थी, अभिभावकगण एवं पत्रकार बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विधायक कप क्रिकेट टूर्नामेंट तीन जनवरी से दस तक

नवभारत न्यूज

पन्ना 29 दिसंबर। पन्ना विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह के सौजन्य से पन्ना विधानसभा अंतर्गत आगामी 3 से 10 जनवरी तक विधायक कप क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आयोजन छत्रसाल स्टेडियम पन्ना में किया जाएगा। इसमें 6 मंडल की 16 टीमें शामिल होंगी।

टूर्नामेंट में कई आकर्षक ईनामों की घोषणा भी स्थानीय विधायक द्वारा की गई है। विजेता टीम को 51 हजार एवं उप विजेता टीम को 31 हजार रूपए की ईनामी राशि मिलेगी। साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को टीव्ही, फ्रिज, वाशिंग मशीन व मिक्सर ग्राईन्डर भी बतौर पुरूस्कार वितरित किए जाएंगे। प्रत्येक खिलाड़ी को क्रिकेट ड्रेस, उपहार और प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। फाइनल मैच में क्रिकेटर शशांक सिंह सहित अन्य लोकप्रिय क्रिकेटर भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे। विदित हो कि पन्ना विधायक द्वारा विधानसभा क्षेत्र के खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के लिए इस क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। इसके माध्यम से प्रदेश स्तरीय टूर्नामेंट में भी प्रतिनिधित्व के लिए सहयोग मिलेगा। पन्ना विधायक द्वारा स्वयं के खर्च पर क्रिकेट टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आगामी 15 जनवरी से सागर में होने वाले क्रिकेट लीग में भी भेजा जाएगा।

कलेक्टर ने टीएल बैठक में की समीक्षा

नवभारत न्यूज

पन्ना 29 दिसंबर। कलेक्टर ऊषा परमार ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में विभागवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस मौके पर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयास, उर्वरक की उपलब्धता, गत कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के विभागवार बिन्दुओं पर अपेक्षित कार्यवाही तथा पोषण पुनर्वास केन्द्रों में जेके सेम के सहयोग से न्यूट्री बॉस्केट वितरण सहित जिला हीरा कार्यालय एवं स्थानीय निर्वाचन कार्यालय को स्वयं के नवनिर्मित भवन में स्थानांतरित करने के संबंध में चर्चा की गई। इसके अलावा बगैर मूलभूत सुविधाओं के विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों के प्रकरण तैयार कर प्रेषित करने, हेलमेट की अनिवार्यता का पालन, पेट्रोल पम्प द्वारा बगैर हेलमेट के पेट्रोल विक्रय पर सख्ती से रोकथाम, शासकीय विभागों की विभिन्न समितियों की समय पर बैठक कराने, सड़क सुरक्षा बैठक के पालन प्रतिवेदन तथा ई-दक्ष केन्द्र के समन्वय से शेष लोकसेवकों को मिशन कर्मयोगी प्रशिक्षण करवाने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर श्रीमती परमार ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार किसानों की फॉर्मर आईडी बनाने के कार्य में तेजी लाएं। विभिन्न स्तरों पर इसका व्यापक प्रचार-प्रसार भी सुनिश्चित करें।

उन्होंने समस्त जनपद पंचायत सीईओ को विभिन्न विकास कार्यों के निर्माण के पूर्व निर्धारित मद की भूमि पर ही कार्य आरंभ कराने के लिए कहा। टीएल बैठक में श्री जुगल किशोर महालोक निर्माण कार्य को निर्बाध रूप से संचालित रखने, रूंझ एवं मझगांय बांध स्थल से पुलिस बल की मौजूदगी में अतिक्रमण हटवाने, सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों तथा समाधान ऑनलाइन विषयों से संबंधित शिकायतों में प्रभावी कार्यवाही, न्यालयीन मामलों में जवाबदावा की स्थिति, बायपास रोड से स्थायी रूप से कचरा निस्तारण की तत्काल कार्रवाई, शासकीय कार्यालयों में आंतरिक परिवाद समितियों के गठन, मध्यान्ह भोजन के खाद्यान्न उठाव सहित दो दिवस में शत प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित कराने के लिए भी कहा। इस संबंध में खाद्य विभाग के अधिकारी को आवश्यक समन्वय से प्रत्येक माह की 20 तारीख तक राशन वितरण का कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। जिला कलेक्टर ने एनआरसी में नियमित रूप से कुपोषित बच्चों के दाखिले के संबंध में सुपरवाईजर को पाबंद करने तथा एसडीएम एवं तहसीलदार को निरंतर निरीक्षण के निर्देश भी दिए। इसके अलावा अधिकारियों को आवंटित छात्रावासों के सतत निरीक्षण तथा समस्त जनपद पंचायत सीईओ को बीएमओ से समन्वय कर एएनसी जांच के लिए पात्र महिलाओं की समग्र आईडी बनवाने के निर्देश भी दिए गए। टीएल बैठक में आगामी 5 जनवरी से मड़ला में प्रस्तावित मिलेट फूड फेस्टिवल एवं किसान मेला आयोजन की तैयारियों एवं रूपरेखा पर भी चर्चा की गई।